国家出版基金项目
NATIONAL PUBLICATION FOUNDATION

द बेल्ट ऐंड रोड इनिशिएटिव

चीन अपने उत्थान से दुनिया को क्या दे सकता है

वांग इवेई

NEW WORLD PRESS

दी बेल्ट एण्ड रोड इनिशिएटिव (पहल)

चीन अपने उत्थान से दुनिया को क्या दे सकता है

वांग इवेई

अनुवादक
रजत चावला
कौशल गोयल

NEW WORLD PRESS

图书在版编目（CIP）数据

一带一路 ：中国崛起给世界带来什么？ ：印地文 / 王义桅著 ；（印）拉雅·查拉，（印）拉胡尔·潘瓦尔，（印）阿旺·彭措译. -- 北京 ：新世界出版社，2018.8
ISBN 978-7-5104-6617-5

Ⅰ. ①一… Ⅱ. ①王… ②拉… ③拉… ④阿… Ⅲ. ①“一带一路”－国际合作－研究－印地语 Ⅳ. ①F125

中国版本图书馆CIP数据核字(2018)第227752号

一带一路：中国崛起给世界带来什么？（印地文）

项目策划：于运全　张海鸥
作　　者：王义桅
翻　　译：〔印〕拉雅·查拉　拉胡尔·潘瓦尔　阿旺·彭措
责任编辑：冯悦萌　严匡正　李晨曦
特邀编辑：〔印〕考沙尔·高崖
外文定稿：闫元元
责任校对：何　宁
责任印制：王宝根　苏爱玲
出版发行：新世界出版社有限责任公司
社　址：北京西城区百万庄大街24号（100037）
发行部：(010) 6899 5968　(010) 6899 8705（传真）
总编室：(010) 6899 5424　(010) 6832 6679（传真）
http://www.nwp.cn
http://www.newworld-press.com
版权部：+8610 6899 6306
版权部电子信箱：nwpcd@sina.com
印刷：北京京华虎彩印刷有限公司
经销：新华书店
开本：710mm × 1000mm　1/16
字数：200千字　　印张：14.5
版次：2018年8月第1版　2018年8月北京第1次印刷
书号：ISBN 978-7-5104-6617-5
定价：128.00元

版权所有，侵权必究
凡购本社图书，如有缺页、倒页、脱页等印装错误，可随时退换。
客服电话：(010)6899 8638

此为试读，需要完整PDF请访问：www.ertongbook.com

दी बेल्ट एण्ड रोड इनिशिएटिव (पहल)

पहला संस्करण : 2018

लेखक : वाँग ईवेई

अनुवादक : [भारत] रजत•चावला राहुल•पंवार न्गवाँग•फुंत्सोक

कापीराइट पर न्यू वर्ल्ड प्रेस का स्वामित्व है।

ISBN 978-7-5104-6617-5

प्रकाशक : न्यू वर्ल्ड प्रेस कंपनी लिमिटित

पता : नं.24, बाइवानजोंग मार्ग, शीचेंग डिस्ट्रक्ट, पेइचिंग-100037

टेलिफोन: (010) 6899 5968

दूरभाष: (010) 6899 8705

ई-मेल : nwpcd@sina.com

चीन में छपाई

विषय सूची

प्रस्तावना 21वीं सदी की शुरूआत बेल्ट ऐंड रोड के साथ 1
परिचय मार्को पोलो के चाइनीज़ ड्रीम की कहानी 10

भाग I : बेल्ट ऐंड रोड पहल नया इतिहास लिखेगी

अध्याय 1 बेल्ट ऐंड रोड पहल क्या है? 24
अध्याय 2 बेल्ट ऐंड रोड का निर्माण क्यों? 28
अध्याय 3 बेल्ट ऐंड रोड पहल विकास की प्रेरणा: प्राचीन सिल्क रोड की अभिनव विरासत 31
अध्याय 4 बेल्ट ऐंड रोड पहल 'मार्शल प्लान' से उत्तम होगी 41
अध्याय 5 बेल्ट ऐंड रोड पहल और अन्य सिल्क रोड पुनरूत्थान योजनाएं 48
अध्याय 6 बेल्ट ऐंड रोड पहल की भविष्य में जिम्मेदारियां 52

भाग II : बेल्ट ऐंड रोड़ पहल द्वारा प्रस्तुत दुनिया के लिए अवसर

अध्याय 1 क्षेत्रीय सहयोग हेतु अवसर 59
अध्याय 2 यूरोप के लिए दुनिया में बदलाव का अवसर 67
अध्याय 3 वैश्विक विकास हेतु अवसर 73

भाग III : बेल्ट ऐंड रोड पहल के विभिन्न जोखिम

अध्याय 1 राजनीतिक जोखिम 85
अध्याय 2 सुरक्षा-सम्बंधी जोखिम 90
अध्याय 3 आर्थिक जोखिम 102
अध्याय 4 कानूनी जोखिम 116
अध्याय 5 नैतिक जोखिम 126

भाग IV : बेल्ट ऐंड रोड निर्माण को आगे बढ़ाने के तरीके

अध्याय 1	'नए नियमित' विचारों की नवरचना	140
अध्याय 2	वैश्विक एकीकरण के अभिनव सिद्धांत	150
अध्याय 3	व्यावहारिक सहयोग को आगे ले जाने के नए तरीके	174
समापन	बेल्ट ऐंड रोड लेखन में सुधार, और अंतर्राष्ट्रीय सार्वजनिक चीजों का प्रस्ताव	194
परिशिष्ट :	विजन और प्रस्तावित उल्लेखित कार्य सिल्क रोड आर्थिक बेल्ट और 21वीं सदी का मैरीटाइम सिल्क रोड	197
उपसंहार :		218
संदर्भग्रंथ सूची (References)		221

प्रस्तावना
21वीं सदी की शुरूआत बेल्ट ऐंड रोड के साथ

वैश्वीकरण के युग में दुनिया अब गोल नहीं रही, यह हमारी सबसे बड़ी भ्रांति भी हो सकती है। असल में, हम एक विभाजित वैश्विक गांव में रह रहे हैं : अंतर्क्षेत्रीय देशों और समुद्र तटीय देशों में, विकसित और विकासशील देशों में, केंद्रित और फैले हुए क्षेत्रों में। यह एक पुरानी चीन की कहावत के साथ प्रतिध्वनित है कि ''इतने पास, फिर भी अभी मीलों दूर हैं।'' इस अंतर को पार करने में संयोजकता (कनेक्टिविटी) के पांच कारक हैं, जो वास्तव में 21वीं सदी में समावेशी वैश्वीकरण लाने का मुख्य विषय बन जायेंगे। वे हैं—नीति संचार, बुनियादी संरचना संयोजकता, बेरोक व्यापार, मौद्रिक परिसंचरण और लोगों के बीच आपसी समझ।

अमेरिकी शैली वैश्वीकरण के आरक्षणीय प्रतीत होने के साथ चीन ने बेल्ट ऐंड रोड पहल का प्रस्ताव रखा, जो प्राचीन सिल्क रोड को अधिक चीनी अभिलक्षण के साथ-साथ आधुनिक सुविधाएं प्रदान कर आम लोगों को एक साथ जोड़ती है। सिल्क रोड की अवधारणा शुरू में जर्मन विद्वान फर्डिनेंड वॉन रिचथोफेन द्वारा 1857 में की गई थी, और अमेरिका ने 2011 में अफगानिस्तान से अपने सैनिकों की वापसी के लिए नई सिल्क रोड पहल को प्रस्तावित किया था। चीन ने, इस दौरान चीनी अवधारणा—बेल्ट ऐंड रोड का इस्तेमाल अपनी बौद्धिक संपदा प्रदर्शित करने के लिए किया।

जैसाकि ताओवादी धर्मशास्त्र 'ताव-त-चिङ' में लिखा है, ''ताव ने एक को जन्म दिया, एक ने दो को, फिर तीन को, और इसी प्रकार हजारों को।'' इस दर्शनशास्त्र के अनुसार, बेल्ट ऐंड रोड का मतलब केवल किसी एक बेल्ट और एक रोड से नहीं है। सिल्क रोड आर्थिक बेल्ट की अवधारणा,

''अलग-अलग क्षेत्रों में काम शुरू कर उन्हें आपस में जोड़ने'' के अनुभव के विस्तार से है, जो क्षेत्रीय आर्थिक सहयोग मॉडल में चीन की 'सुधार एवं खुलेपन (ओपनिगं-अप)' की नीति दर्शाती है। आसपास के क्षेत्रों पर विकास के प्रबल प्रभाव पड़ने से, छह प्रमुख आर्थिक गलियारे (कॉरिडोर) जैसे : चीन–मंगोलिया–रूस आर्थिक गलियारा; न्यू यूरेशियाई लैंड ब्रिज; चीन–मध्य एशिया आर्थिक गलियारा; बांग्लादेश–चीन–भारत–म्यांमार आर्थिक गलियारा; चीन–इंडोचाइना प्रायद्वीप आर्थिक गलियारा तथा समुद्रीय आर्थिक गलियारा परंपरागत विकास अर्थशास्त्र के सिद्धांतों से काफी आगे चले गए हैं।

21वीं सदी के समुद्री सिल्क रोड में, बंदरगाह नवीनीकरण, नौपरिवहन के उन्नयन और क्षमता में सुधार का लक्ष्य 21वीं सदी में ही हासिल करने पर जोर दिया गया है। 21वीं सदी के समुद्री सिल्क रोड का महत्व 21वीं सदी में ही है, जो दर्शाता है कि चीन ने न तो समुद्री विस्तार, टकराव एवं उपनिवेशन के लिए प्रतिबद्धित पश्चिमी शक्तियों के पुराने मार्ग, और न ही समुद्री प्रभुत्व के लिए अमेरिका के आगे बढ़ने में टकराव के गलत रास्ते का अनुसरण किया है। दरअसल, चीन वैश्वीकरण के पारंपरिक जोखिम से प्रभावी ढंग से बचना चाहता है, और विशेष रूप से मानवता एवं समुद्री एकीकरण, देशों के सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व तथा सतत् विकास की एक नई तरह की महासागर सभ्यता बनाना चाहता है। विश्व के सबसे बड़े व्यापारिक राष्ट्र चीन ने गुट-निरपेक्षता की नीति अपनाई है, और विश्व के समुद्री प्रभुत्व वाले राष्ट्र संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ एक नए प्रकार के प्रमुख राष्ट्रीय सम्बंधों का प्रस्ताव रखा है। इसलिए चीन को 21वीं सदी में समुद्री सहयोग पर एक नए विचार को आगे रखने, नौपरिवहन, संचालन व्यवस्था (लॉजिस्टिकस्) और सुरक्षा के नए सहयोग मॉडल और इस तरह के विशेष विक्रय अधिकार (फ्रैन्चाइज़ी), और बंदरगाहों के सह-निर्माण एवं साझा करने के तरीकों से समुद्री तथा भू-मार्ग सिल्क रोड की एक साथ (डॉकिंग) को बढ़ावा देने की आवश्यकता है।

बेल्ट ऐंड रोड निर्माण से आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक, सामाजिक और पारिस्थितिक निर्माण को बढ़ावा देने के 'एक में पांच (फाइव-इन-वन)' की अवधारणा के साथ एक नई और दीर्घकालिक मानव सभ्यता की शुरूआत होगी।

बेल्ट ऐंड रोड मूल रूप से एक यूरेशियाई परिवहन नेटवर्क, एक एकीकृत, त्रि-आयामी और एक-दूसरे से जुड़ी प्रणाली है, जिसमें रेलवे, राजमार्ग, विमानन, नौपरिवहन, तेल एवं गैस पाइप लाइनों, संचरण लाइनों एवं संचार नेटवर्क का आपसी संयोजन है। इन सभी लाइनों के साथ वहां धीरे-धीरे औद्योगिक समूह बढ़ेंगे जो इनका इस्तेमाल करेंगे। इस प्रकार, संचयन और परमाण्विक विकिरण के औद्योगिक प्रभाव से धातु विज्ञान, ऊर्जा, वित्त, सूचना, संचार, संचालन व्यवस्था और पर्यटन के समग्र विकास के साथ एक आर्थिक गलियारा स्थापित हो जाएगा। संयोजकता के पांच कारक व्यापारिक सुविधा एवं निवेश को बढ़ाने, गहन आर्थिक एवं तकनीकी सहयोग, मुक्त व्यापार क्षेत्र की स्थापना करने, और आखिरकार एक बड़े यूरेशियाई बाजार के निर्माण को पूरा करने में मदद करेंगे। इनमें से, ऊर्जा गलियारे थोक वस्तुओं के मूल्य निर्धारण क्षमता पर ध्यान देंगे; संचालन व्यवस्था एवं वित्तीय गलियारे व्यापार एवं निवेश के क्षेत्र में मानक स्थापित करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे; मौद्रिक परिसंचरण क्षेत्रीयकरण एवं आर.एम. बी. (चीनी मुद्रा) के वैश्वीकरण को बढ़ावा देंगे; तथा इंटरनेट, ग्रिड एवं एक स्मार्ट सिल्क रोड का निर्माण इंटरनेट डब्ल्यू.टी.ओ. को बढ़ावा देने में बड़ी प्रेरक शक्तियां है। इसका उद्देश्य, चीन को वैश्विक नेतृत्व वाले एक देश के रूप में विकसित करना है।

बेल्ट ऐंड रोड के निर्माण ने चीन की सर्वांगीण खुलेपन की नई रणनीति और एक नई सामरिक बाहरी कूटनीति की बुनियादी संरचना को नया आकार दिया है। बेल्ट ऐंड रोड ने चीन की खुलेपन की रणनीति के इतिहास में एक नया अध्याय शुरू किया है। खुलेपन के सार की महत्वता ने, 'देश में लाने (ब्रिंगिंग-इन)' की रणनीति को धीरे-धीरे 'वैश्विक होने (गोइंग ग्लोबल)' में बदल दिया है और इन दो रणनीतियों को आपस में गहराई से जोड़ दिया है। चीन अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक सहयोग और प्रतिस्पर्धा में प्रमुख रूप से भाग लेने के नए क्षेत्र खोलने को काफी महत्व देता है, ताकि, खुलेपन से सुधार को बढ़ावा दिया जा सके। चीन ने अपनी पश्चिम और दक्षिण के लिए खुलेपन की रणनीति को लागू करने के अपने दायरे को बढ़ा दिया है। खुलेपन की गहराई के संदर्भ में, चीन ने विश्व में क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण की प्रवृत्ति को विकास के अनुरूप कर लिया है, और मुक्त व्यापार क्षेत्र की रणनीति के कार्यान्वयन को आसपास के क्षेत्रों के

此为试读,需要完整PDF请访问: www.ertongbook.com

आधार पर तेज कर दिया है, ताकि व्यापारिक वस्तुओं, पूंजी निवेश और श्रमिक-वर्ग की मुक्त आवाजाही को आसान किया जा सके।

चीन द्वारा दिया गया नया प्रस्ताव, ''सिल्क रोड पुनरूत्थान कार्यक्रम क्यों ऐसे अन्य कार्यक्रमों से सक्षम होगा?''

2,000 साल पहले प्राचीन काल के प्रथम सम्राट छिन-षृ-ह्वाङ (259-210 ई.पू.) ने, 'पुस्तकों के लिए आम भाषा' और 'वाहनों के लिए आम रास्ते' की अवधारणा की थी। आधुनिक समय में चीन ने विश्व की सबसे सम्पूर्ण राष्ट्रीय सुरक्षा औद्योगिक प्रणाली स्थापित की है, जो स्वतंत्र और व्यापक है, और आज चीन की विलक्षित समाजवादी व्यवस्था के फायदों के साथ, चीन में आंतरिक संयोजकता आम तौर पर हासिल कर ली गई है।

घरेलू पृष्ठभूमि में, बेल्ट ऐंड रोड पहल के प्रस्ताव का उद्देश्य है सुधार और खुलेपन की दो प्रमुख समस्याओं को सुलझाना : पहली, विकास मॉडल की अस्थिरता; दूसरी, वैश्वीकरण के प्रभाव का कम होना। इसलिए माना जाता है कि, चीन वैश्वीकरण के एक प्रतिभागी से वैश्वीकरण का रूपायक बन रहा है। अब स्थिति यह है कि, चीन बाहर की तरफ जाने के बजाय, सारी दुनिया अब चीन के लिए अपने द्वार खोल रही है। अंतर्राष्ट्रीय पृष्ठभूमि में, चीन एक ऐसी शक्ति है, जो यूरेशियाई एकीकरण के रूपायन, आसपास के क्षेत्रों से मजबूत समर्थन, व्यापार एवं निवेश को बढ़ावा देने में सरलीकरण, आर्थिक एवं तकनीकी सहयोग को मजबूत करने, मुक्त व्यापार की स्थापना करने, और आखिरकार एक बड़ा यूरेशियाई बाजार बनाने में मदद कर सकती है। वित्तीय संकट के फैलने से चीन को बेल्ट ऐंड रोड के समीपवर्ती देशों में नए बाजार तलाशने और अतिरिक्त क्षमताका हस्तांतरण करने के लिए मजबूर कर दिया है। बेल्ट ऐंड रोड बाजार के अवसर सीधे तौर पर आबादी और उत्पादन के बीच की बड़ी विपरीत स्थिति के अंदर ही होते हैं– 63 प्रतिशत बनाम 29 प्रतिशत : बेल्ट ऐंड रोड के समीपवर्ती 65 देशों की जनसंख्या विश्व की कुल जनसंख्या का 63 प्रतिशत है, लेकिन उनका कुल उत्पादन विश्व का केवल 29 प्रतिशत ही है। विश्व के 128 देशों का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार होने के नाते, चीन का अपना सकल घरेलू उत्पाद (जी.डी.पी.) मार्ग के समीपवर्ती सभी देशों के कुल सकल घरेलू उत्पाद से आधे से ज्यादा हो गया है। यही एक कारण है कि, बेल्ट ऐंड रोड पहल में चीन एक सक्रिय भूमिका निभा सकता है।

बेल्ट ऐंड रोड पहल की पृष्ठभूमि में, राष्ट्रीय रणनीतियों के तटागमन (डॉकिंग), औद्योगिक क्षमता मे सहयोग और तीसरे पक्ष के बाजारों में सह-विकास चीन तथा मार्ग के अन्य देशों के बीच कूटनीति की मुख्य शर्तें बन गई हैं। बेल्ट ऐंड रोड पहल की प्रक्रिया से चीन गुणवत्ता उत्पादन क्षमता को वैश्विक औद्योगिक श्रृंखला में स्थानान्तरित करेगा। चीन विश्व को मानव, सामग्री, वित्तीय संसाधन, अनुभव, और संयोजकता पर आधारित औद्योगिक मानक जैसे बहु-आयामी तुलनात्मक फायदे पूरी तरह से प्रदान कर सकता है, और तकनीकी, पूंजी और मानकों में चीन अपनी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा व्यापक तौर पर साबित करेगा। इसी बीच, चीन की औद्योगिक क्षमता, तकनीकी, पूंजी, अनुभव और विकास के मॉडल को व्यापार और सहयोग के फायदे में बदलने के लिए प्रयास किए जाएंगे। इस सबसे यह होगा कि, चीन की उपयुक्तता सारी दुनिया की उपयुक्तता हो जाएगी, चीन के सपने (चाइनीज ड्रीम) सारी दुनिया के सपनों (वर्ल्ड ड्रीम) के साथ मिल जाएंगे।

बेल्ट ऐंड रोड की तुलना उस दूसरी भौगोलिक खोज से की जा सकती है, जिसने पिछली कई सदियों में एक बदलती हुई अभूतपूर्व स्थिति को उत्पन्न किया है। चीन के उत्थान के बाद उसकी वैश्विक जिम्मेदारी को देखते हुए, यह चीन और दुनिया के अन्य देशों के बीच सम्बंधों में तीन बड़े बदलाव दर्शाता है :

सबसे पहले, श्रम के वैश्विक विभाजन के संदर्भ में, 'चीन द्वारा निर्मित (मेड इन चाईना)' से 'चीन में निर्मित (बिल्ट इन चाईना)' का एक परिवर्तन आ गया है। श्रमशक्ति को तकनीकी और पूंजी में परिवर्तित करने के फायदे के साथ चीन श्रम के वैश्विक विभाजन में, 'निचले स्तर' से 'उच्च स्तर' की ओर जा रहा है। बेल्ट ऐंड रोड के समीपवर्ती देशों की उनके स्वयं के 'हार्ड (भौतिक नेटवर्क जो आधुनिक राष्ट्र की कार्य पद्धति के लिए जरूरी है) और सॉफ्ट (संस्थाएं जो किसी भी देश की आर्थिक, स्वास्थ्य तथा सांस्कृतिक मानकों को संभालने के लिए जरूरी होती हैं)' बुनियादी सुविधाओं के निर्माण में मदद करने से, चीन एक बड़ा यूरोप-एशिया-अफ्रीका बाजार विकसित कर सकता है, और प्रौद्योगिकी एवं पूंजी में मानक निर्धारित करने में फायदा प्राप्त करने के लिए प्रयास कर सकता है। यही बेल्ट ऐंड रोड पहल में चीन का रणनीतिक विचार है।

चीन द्वारा प्रस्तावित बेल्ट ऐंड रोड पहल एक बहुमुखी खुलेपन की रणनीति और एक अंतर्राष्ट्रीय सहयोग दोनों का प्रस्ताव है, और 'व्यापक परामर्श, संयुक्त योगदान एवं साझा हित' के सिद्धांत के तहत सार्वजनिक संपत्ति है, जिसका उद्देश्य मार्ग के साथ यूरोप, एशिया एवं अफ्रीका के 65 देशों में 4.4 बिलियन लोगों के लिए समान हित, समान जिम्मेदारी और समान भाग्य का एक समुदाय स्थापित करना है। इस तथ्य के बावजूद कि, चीन का सकल घरेलू उत्पाद ;जीण्डीण्पीण्द्ध विश्व के कुल सकल घरेलू उत्पाद ;जीण्डीण्पीण्द्ध का केवल 13 प्रतिशत है, जो अब तक के इतिहास में अधिकतम 30 प्रतिशत की तुलना में काफी कम है। विश्व के तीन सबसे बड़े स्तंभों में चीन की एक तिहाई हिस्सेदारी है : 'चीन–रूस–अमेरिका' के तीन सैन्य स्तंभ और 'चीन–यूरोप–अमेरिका' के तीन आर्थिक स्तंभ।

चीन का उत्थान एक तिहाई हिस्सेदारी कैसे हासिल कर सकता है?

बेल्ट ऐंड रोड पहल एक अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की शुरुआत है, जो यूरोपीय-एशियाई-अफ्रीकी 'तीसरे पक्ष के बाजारों' को विकसित करने के लिए चीन और यूरोप का एक संयुक्त प्रयास है। यह एक प्रणाली के तहत किया जाएगा, जहां विश्व को पूरी तरह से क्षेत्रीय सहयोग प्रक्रियाओं के तीन विनिर्माण खण्डों में विभाजित किया गया है, जो हैं : नाफटा (उत्तरी अमेरिका मुक्त व्यापार समझौता); ई.यू. (यूरोपीय संघ); और ई.ऐ. (पूर्वी एशिया) {विश्व की 90 प्रतिशत निर्माण क्षमता तीन प्रमुख समशीतोष्ण क्षेत्रों– उत्तरी अमेरिका, यूरोप और पूर्वी एशिया में संकेन्द्रित है}। इसको 21वीं सदी के तीन शासनकाल (थ्री किंगडम्स्) की अवधि (220-280) के दौरान एक प्रसिद्ध संवाद सर्वज्ञ सैन्य सलाहकार चू-क ल्याङ और एक सत्ता के शक्तिशाली नेता ल्यू-पेई के बीच के संवाद को ''तीन प्रमुख शक्तियों द्वारा विभाजित राजनीतिक रणनीति का परिदृश्य'' कहा जा सकता है।

जैसा कि हम जानते हैं कि, आज के वैश्विक परिदृश्य में सबसे बड़ा विकासशील देश, चीन मध्यम स्तर की औद्योगिक उत्पादन प्रणाली और उपकरण निर्माण के साथ औद्योगिकरण के मध्य चरण में प्रवेश कर चुका है। इस सम्बंध में, जबकि विकसित यूरोपीय देश एक उच्च स्तर पर हैं, बेल्ट ऐंड रोड के अधिकांश देश अभी भी औद्योगीकरण के शुरुआती चरण

में हैं। तीसरे पक्ष के बाजार को विकसित करने के लिए चीन और यूरोप के बीच सहयोग वैश्विक औद्योगिक श्रृंखला के दोनों छोर जोड़ सकता है। चीन के मध्य-स्तरीय उपकरणों को यूरोपीय देशों के उन्नत प्रौद्योगिकी तथा मुख्य उपकरणों के साथ बेल्ट ऐंड रोड के साथ वाले देशों के लिए तीसरे पक्ष के बाजार (जिनमें अधिकांश पूर्व यूरोपीय कॉलोनियां हैं) का सह-विकास करने के लिए, जो तीन क्षेत्रों में अधिकतम फायदे करके, चीनी भाषा, कानून एवं व्यापार संचालन में चीन की कमी को पूरा कर सकते हैं। चीन के लिए इसका मतलब है कि, चीन अपने संपत्ति-भण्डार का कुशलता से इस्तेमाल कर सकता है, और यह मध्य और उच्च स्तरीय औद्योगिक श्रृंखला की तरफ बढ़ सकता है। यूरोप के लिए इसका मतलब अधिक निर्यात और रोजगार होगा, और तीसरे पक्ष के बाजारों (देशों) के लिए इसका मतलब होगा कि, उनके अपने खुद के औद्योगिकरण की जरूरतों को पूरा करने के लिए वहां उपकरण और औद्योगिक उत्पादन प्रणालियां बेहतर लागत प्रदर्शन के साथ होंगी। इस प्रकार चीन–यूरोपीय संघ सहयोग तीसरे पक्ष के बाजार को विकसित करने के लिए चीन की वैश्विक विभाजन प्रणाली में जोड़ने की भूमिका को महत्वपूर्ण बना सकता है। उत्तर-दक्षिण सहयोग द्वारा दक्षिण-दक्षिण सहयोग को बढ़ाना, और 'जीत-जीत' सहयोग को 'तिगुनी जीत' में उन्नत कर सकता है।

दूसरा, कूटनीतिक रणनीति की समग्र व्यवस्था के संदर्भ में, यहां 'समय के बदले स्थान' से 'स्थान और समय दोनों पर ध्यान केंद्रित करने से तथा भूमि तथा समुद्री क्षमता में समन्वय बनाना', जो इस बहस से परे है कि, किसे प्राथमिकता देनी चाहिए—देश की सीमा सुरक्षा एवं तटीय सुरक्षा को या फिर उत्तर और पश्चिम की ओर जाने को।

''वे लोग जो सब कुछ लेने के लिए तैयार नहीं है, वे एक टुकड़ा लेने में भी असमर्थ हैं, वे लोग जो दस हज़ार आनेवाली पीढ़ियों को संभालने में असमर्थ हैं, वे एक पल को भी नहीं संभाल सकते''। बेल्ट ऐंड रोड पहल का प्रस्ताव यह दर्शाता है कि चीन ने स्थान एवं समय और भूमि एवं समुद्री समन्वय में संयोजकता के पांच कारकों: नीति संचार, सड़क संपर्क, बेरोक व्यापार, मौद्रिक परिचलन और लोगों के बीच आपसी समझ में एक ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। यह दर्शाता है कि, चीन वैश्विक प्रभाव के एक बड़े देश के रूप में आगे प्रगति कर रहा है।

"पूर्व वह जगह है जहां हर तरह के प्राणी जन्म लेते हैं, और पश्चिम वह जगह है जहां वे परिपक्व होते हैं। इसलिए, वे लोग जो नए उपक्रम शुरू करते हैं हमेशा दक्षिण या पूर्व में होते हैं, जबकि वे जो सफलता प्राप्त करते हैं आमतौर पर उत्तर या पश्चिम में होते हैं।" यह वाक्य जो 'ऐतिहासिक अभिलेख (हिस्टॉरिकल रिकार्डस्)' पुस्तक से लिया गया है इसका बहुत बड़ा मतलब है। इस तथ्य के बावजूद कि, आज की दुनिया का विश्लेषण करने के लिए इसे सीधे तौर पर लागू नहीं किया जा सकता। सुधार और खुलापन (ओपनिंग-अप) दक्षिण-पूर्व में शुरू हुआ, और इसका परिणाम उत्तर-पश्चिम में मिला—जैसा कि, बेल्ट ऐंड रोड पहल से प्रदर्शित होता है। सुधार और खुलापन मुख्यतः पूर्व के लिए है, विशेषतः दक्षिण-पूर्व के लिए, लेकिन अमेरिका का 'एशिया की ओर वापसी' से पारंपरिक खुलेपन को कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। जिसके परिणामस्वरूप, प्राचीन सिल्क रोड का अंतिम स्टेशन यूरोप में होने के कारण सारा ध्यान दक्षिण-पूर्व से उत्तर-पश्चिम की तरफ केन्द्रित हो गया है। वास्तव में, एक महान शक्ति को उभरने के लिए, दूसरी महान शक्ति के सहारे खड़े हो जाना चाहिए। जिनके साथ यूरोप है, उनके साथ सारा विश्व है। चीन को पश्चिम में, कूटनीतिज्ञ संबंध विकसित करने के प्रयास का फल यूरोप में मिला है, जो सबूत है कि, कैसे यूरोप बेल्ट ऐंड रोड का स्वागत कर रहा है।

तीसरा, चीन और अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था के बीच सम्बंधों के संदर्भ में, चीन के उत्थान ने चीन की सभ्यता को पुनर्जीवित किया है, जिससे आगे चलकर अन्य सभ्यताओं के पुनरूत्थान को भी बढ़ावा मिलेगा। पश्चिम द्वारा किया गया आधुनिकीकरण, आज के समय में प्रतिस्पर्धित आधुनिकीकरण है, जहां देश आधुनिकीकरण को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं। नतीजतन, वहां सिर्फ़ तर्कसंगत लोग और तर्कहीन समुदाय रह रहे हैं, जिसका परिणाम मानव समाज तथा विश्व के लिए सहन करना बहुत मुश्किल है। इसका कारण इस तथ्य में निहित है कि, समान प्रकृति वाली मानवजाति को आधुनिकीकरण भारी पड़ रहा है : शांति की इच्छा, विकास और सभ्यताओं का पुनरूत्थान तथा मानव प्रकृति की वापसी। आधुनिकीकरण के तर्क में, शांति न कभी स्थायी शांति के रूप मे संदर्भित है, और न ही यह समान विकास का संकेत है। आधुनिकीकरण के कारण

सभ्यताओं के बीच टकराव और भी अधिक हृदय विदारक है। पारंपरिक वैश्विक प्रणाली, जिसमें देशों को एक मुख्य इकाई और अंतर्राष्ट्रीय सम्बंधों को प्रमुख मुद्दा मानते हैं, वे अक्सर चीन के उत्थान को एक खतरे के रूप में देखते हैं। लेकिन इस तर्क को अब बदल देना चाहिए।

विश्व के देशों को आपस में जुडे रहना चाहिए, न कि अलग-थलग। सभी देशों को वैश्वीकरण के कारण उनकी अपनी विविधता खोने के बजाय खुद के अस्तित्व में ही रहना चाहिए। बेल्ट ऐंड रोड मिस्र, बेबीलोन, भारत और चीन की चार प्रमुख प्राचीन सभ्यताओं को एक साथ जोड़ता है। यूरोप, अफ्रीका और एशिया के बीच संयोजकता से यह पहल अंतक्षेत्रीय देशों की सभ्यता और समुद्री सभ्यता को पुनर्जीवित करेगी। विकासशील देशों में गरीबी कम करने और उभरते देशों में निरंतर एवं सफल उत्थान को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी, ताकि वैश्वीकरण के पारंपरिक तर्क को सही रास्ते पर लाया जा सके। संक्षेप में, आधुनिकीकरण के प्रतिस्पर्धित तर्क से किसी सभ्यता के पुनरूत्थान तर्क का श्रेष्ठ होना, इसका बेल्ट ऐंड रोड साक्षी रह चुका है। इस संदर्भ में, 21वीं सदी की शुरूआत बेल्ट ऐंड रोड के साथ होती है।

परिचय
मार्को पोलो के चाइनीज़ ड्रीम की कहानी

700 से अधिक वर्ष पहले, एक 17 वर्षीय इतालवी युवा अपने पिता और चाचा के साथ, चीन के रहस्यों के बारे में सपने देखते-देखते पूर्वी देशों (ओरिएंट) की ओर यात्रा करने के लिए निकल पड़ा। वे तीनों ऐसे जोखिम भरे रास्ते पर चल पड़े थे, जिस पर जाने से बडे-बड़े साहसी यात्री भी घबरा जाते थे। वेनिस से, वे समुद्रीय जहाज द्वारा भूमध्य महासागर के लिए रवाना हुए, फिर काला सागर (ब्लैक सी) से होते हुए मेसोपोटामिया से प्राचीन 'मध्य पूर्व' के शहर बगदाद में पहुंचे। वहां से उन्होंने फारस की खाड़ी के मुहाने, होर्मुज तक पैदल सफर तय किया, और अंत में वे उजाड़ और भयावह ईरानी रेगिस्तान और खतरनाक एवं ठंडे पामरिस के पूर्व से गुजरते हुए चीन के शिनच्याङ पहुंचे। शिनच्याङ से ये लोग पूर्व की ओर अपनी यात्रा जारी रखते हुए ताकलीमाकन रेगिस्तान को पार कर प्राचीन शहर तुनह्वाङ पहुँचे। वे जेड गेट दर्रे से जोखिम उठाते हुए 'द ग्रेट वाल ऑफ चाइना' पहुँच गए, और हशी गलियारे को पार कर य्वेन राजवंश (1271-1368) की उत्तरी राजधानी शाङ-तु (या श्नातु) में उनकी चार साल की लम्बी यात्रा अंत में समाप्त हुई। वह साहसी युवा यात्री मार्को पोलो था।

भाषाओं से एक लगाव होने के कारण, मार्को पोलो ने मंगोलियाई और चीनी भाषा बोलना सीख लिया, और कुबलाई खान के आदेशानुसार, उसने सारे चीन में व्यापक और दूर तक यात्रा की। उसने हमेशा वहां रहकर उस स्थान के रीति-रिवाज, भूगोल और देश के लोकाचार के विस्तृत दस्तावेज (नोटॅस्) का लेखा-जोखा (रिकॉर्डस्) बनाया, ताकि वापस जाकर कुबलाई खान को विवरण दे सके।

此为试读,需要完整PDF请访问: www.ertongbook.com